6 सीमा संन्देश 2 5 APR 2018

बचपन की शिक्षा पर कार्यशाला का समापन

पिलानी। बिरला शिशु विहार के प्रांगन में मंगलवार को बचपन की शिक्षा (अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन) विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला के समापन हुआ।

मुख्यातिथि मेजर जनरल (रिटायर्ड) एसएस नायर निदेशक बिरला एजुकेशन ट्रस्ट थे। कार्यशाला के दूसरे दिन श्रीमती पैवी एर्क्कीला-फिनलैंड और श्रीपासी मत्तिला-फिनलैंड ने बताया कि किस प्रकार से हम अपने ज्ञान और विषय से कक्षा को सृजनात्मक, अधिक रूचिकर और प्रभावशाली बना सकते हैं।

पैवी एर्क्कीला ने बताया कि किस प्रकार बच्चों के दिमाग पर जोर डाले बिना विषय को कक्षा मे आसानी से समझाया जाये जिससे बच्चे सहज और सरलता से समझ सके। उन्होंने गणित के बारे में भी रोचक जानकारियाँ प्रदान की, जो हम हमारे दैनिक जीवनचर्या मे काम में लेते है। कार्यशाला संयोजक पवन वशिष्ठ, प्राचार्य बिरला शिशु विहार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि कार्यशाला का आयोजन टीचर्स के बौद्धिक और शैक्षिक विकास एवं हर विषय में आने वाली कठिनाईयों का हल करना है।

कार्यशाला के अंत में नायर एवं वशिष्ठ ने अतिथियों शिक्षक और शिक्षिकाओं को प्रशस्तिपत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान किया।

कार्यशाला में डॉ एम. कस्तूरी, कर्नल शोकत अली, विजय डालमिया, बिरला बालिका विद्यापीठ, बिरला पब्लिक स्कूल, बिरला स्कूल, बिरला शिशु विहार और बिरला इंटरनेशनल स्कूल किशनगढ़ के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

2 5 APR 2018

दैनिक भास्कर

बचपन की शिक्षा विषय पर सेमिनार

पिलानी | बिरला शिशु विहार में दो दिवसीय बचपन की शिक्षा विषयक सेमीनार का मंगलवार को समापन हो गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीईटी निदेशक मेजर जनरल एसएस नायर थे। सेमीनार के दूसरे दिन फिनलैंड की पैवी एर्क्कीला व पासी मत्तिला ने शिक्षकों को कक्षा को सृजनात्मक, रुचिकर व प्रभावी बनाने की बात कही। उन्होंने बच्चों के दिमाग पर जोर दिए बगैर उन्हें सहज रूप से विषय समझाने पर बल दिया। इससे पूर्व प्राचार्य पवन वशिष्ठ ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल नायर व प्राचार्य वशिष्ठ ने विशेषज्ञ वक्ताओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिए। इस मौके पर बीईटी पीआरओ कर्नल शौकत अली, डॉ. एम कस्तूरी, विजय डालमिया सहित बिरला बालिका विद्यापीठ, बिरला स्कूल, बिरला पब्लिक स्कूल, बिरला शिशु विहार के शिक्षकों ने भाग लिया।